ग्लोबल इनिशिएटिव ऑन डिजिटल हेल्थ

स्रोत:इंडियन एक्सप्रेस

चर्चा में क्यों?

वित्त मंत्रालय के अंतर्गत आर्थिक मामलों के विभाग (DEA) नेवैश्विक डिजिटल स्वास्थ्य पहल/ग्लोबल इनिशिएटिव ऑन डिजिटल हेल्थ (GIDH) हेतु भारत के 10 मिलियन अमेरिकी डॉलर के योगदान को मंज़ूरी नहीं दी है।

वैश्विक डिजिटल स्वास्थ्य पहल:

परिचय:
ग्लोबल इनिशिएटिव ऑन डिजिटल हेल्थ (GIDH) राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य परिवर्तन का समर्थन करने वाले संगठनों, संस्थानों एवं
सरकारी तकनीकी एजेंसियों का एक नेटवर्क है।
इसका प्रबंधन विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा किया जाता है।
इसके उद्देश्यों में स्थायी डिजिटल स्वास्थ्य परिवर्तन की ज़रूरतों का आकलन करने एवं प्राथमिकता तय करने के साथ डिजिटल स्वास्थ्य संसाधनों का संतुलित है।
अगस्त 2023 में गुजरात में स्वास्थ्य मंत्रियों की बैठक में भारत की G20 प्रेसीडेंसी के दौरान GIDH की शुरुआत की गई थी।
यह नई दिल्ली घोषणा का हिस्सा बन गया तथा भारत ने सीड फंड के रूप में इसमें 10 मिलियन अमरीकी डॉलर का योगदान देने का वादा किया। इस पहल को औपचारिक रूप से फरवरी 2024 में शुरूकिया गया था।
GIDH के चार मुख्य घटक:
कंट्री नीड्स ट्रैकर: विभिन्न देशों की डिजिटल स्वास्थ्य आवश्यकताओं की पहचान करने के साथ उन्हें ट्रैक करने के लिये स्थापित एक तंत्र।
कंट्री रिसोर्स पोर्टल:प्रत्येक देश में उपलब्ध डिजिटल स्वास्थ्य संसाधनों का मानचित्र।
ट्रांसफॉर्मेशन टूलबॉक्स: स्वास्थ्य परिवर्तन के लिये गुणवत्ता-सुनिश्चित डिजिटल टूल का भंडार।
नॉलेज एक्सचेंज: भाग लेने वाले देशों के बीच ज्ञान साझा करने की सुविधा।
संबंधित पहल:
प्रेसीडेंसी रोकथाम, तैयारी प्रतिक्रिया (Presidency Prevention, Preparedness Response-PPR) वित्तीय मध्यस्थ निधि (Financial Intermediary Fund-FIF) की जिम्मेदारी G20 प्रेसीडेंसी के दौरान इंडोनेशिया ने ली थी औरइंडोनेशिया ने प्रस्ताव के आरंभकर्ता के रूप में 50 मिलियन अमेरिकी डॉलर का योगदान दिया था।

डिजिटल हेल्थकेयर:

परिचय:
डिजिटल हेल्थकेयर चिकित्सा देखभाल वितरण की एक प्रणाली है जो गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा देखभाल सेवाओं को सुलभ, सस्ती और
सतत् बनाने के लिये डिजिटल तकनीकों की एक शृंखला का उपयोग करती है।
डिजिटल स्वास्थ्य के व्यापक दायरे में मोबाइल स्वास्थ्य (mHealth), स्वास्थ्य सूचना प्रौद्योगिकी (IT), पहनने योग्य उपकरण (डिवाइसें), टेलीहेल्थ और टेलीमेडिसिन एवं व्यक्तिगत चिकित्सा जैसी श्रेणियाँ शामिल हैं।
आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन:
भारत का आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन एक निर्बाध इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड प्रणाली बनाने की दिशा में कार्यरत है।
इसे सितंबर 2021 में प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किया गया था।
इसका उद्देश्य सभी भारतीय नागरिकों को डिजिटल स्वास्थ्य आईडी प्रदान करना है ताकि अस्पतालों, बीमा फर्मों एवं नागरिकों को आवश्यकता पड़ने पर स्वास्थ्य रिकॉर्ड तक पहुँचने प्राप्त हो सके।
इस परियोजना को छह राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में पायलट चरण में लागू किया जा रहा है।
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (NHA), इसकी कार्यान्वयन एजेंसी होगा।

यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न प्रिलिम्स:
प्रश्न. आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2022)
1. निजी और सरकारी अस्पतालों द्वारा इसे अपनाना होगा।
2. जैसा कि इसका उद्देश्य सार्वभौमिक, स्वास्थ्य कवरेज प्राप्त करना है, भारत के प्रत्येक नागरिक को अंततः इसका हिस्सा होना चाहिये।
3. इसकी देश भर में निर्बाध पोर्टेबिलिटी है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(a) 1 और 2 केवल
(b) केवल 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3
उत्तर: (d)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/global-initiative-on-digital-health-1